

रेरा अधिनियम को प्रभावी ढंग से लागू कराएं

कार्यशाला

जासं, छपरा : भू-सम्पद विनियमक प्राधिकरण (रेरा), विहार के अध्यक्ष विवेक कुमार सिंह ने सारण प्रमंडल के जिलों के जिला एवं म्युनिसिपल प्रशासन से आग्रह किया है कि वे रेरा अधिनियम को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने में सक्रिय भूमिका निभाएं। 'फ्लैट/भूखंड खरीदारों के हितों की रक्षा करने के उद्देश्य से ही भू-संपद (विनियमन एवं विकास) अधिनियम 2016 को लागू किया गया था। इसलिए जमीनी स्तर पर इसके प्रभावी क्रियान्वयन और अधिनियम के प्रविधानों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करने के लिए जिला एवं म्युनिसिपल प्रशासन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है, रेरा विहार के अध्यक्ष ने यहां रेरा विहार द्वारा आयोजित एक संवेदीकरण-



समाहरणालय सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक करते रेरा के विहार अध्यक्ष जगदण्ड सह-अभियुक्तीकरण कार्यशाला का उद्घाटन करते हुए कहा।

उन्होंने कहा कि जिस तरह से जिला प्रशासन से रेरा अधिनियम के प्रविधानों के अनुपालन करने के लिए रिपोर्ट ग्राप्त करने के लिए प्रपत्र तैयार किया है, उसी तर्ज पर अब नगर निकायों, आयोजन क्षेत्रों एवं निवंधन विभाग से भी रिपोर्ट ग्राप्त करने के लिए प्रपत्र तैयार किए जाएंगे ताकि

सारण के आयुक्त गोपाल मीना ने प्राधिकरण को कार्यशाला आयोजित करने के लिए धन्यवाद दिया तथा कहा कि प्राधिकरण को यह प्रयास करना चाहिए कि पार्किंग स्थल के विषय में भी विलड़ उचित सूचना दें ताकि घर खरीदार अपना घर खरीदने से पहले उचित निर्णय ले सकें।

सारण के जिला पदाधिकारी अमन समीर ने कहा कि प्राधिकरण को एक तंत्र स्थापित करना चाहिए ताकि निवंधित परियोजना की सूचना जिला प्रशासन को नियमित रूप से दी जा सके, जिससे जिला प्रशासन अनिवार्यत प्रोजेक्ट की पहचान कर उनकी सूचना प्राधिकरण को नियमित रूप से दे सके। उन्होंने ये भी सुझाव दिया कि अंचलाधिकारी नियमित रूप से रिपोर्ट दें ताकि रेरा अधिनियम के प्रविधानों का उलंघन करने वालों के विरुद्ध कार्रवाई की जा सके।